

भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1411
जिसका उत्तर मंगलवार, 12 फरवरी, 2019 को दिया जाना है

नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान

1411. कुमारी शोभा कारान्दलाजे:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या 'फेम इंडिया' योजना के एक भाग के रूप में वर्ष 2013 में नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान 2020 की शुरुआत की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार ने सड़क परिवहन से प्रदूषण को कम करने और इस अभियान में सभी प्रकार के वाहनों को शामिल करने के लिए इस योजना में संशोधन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितनी धनराशि आबंटित की गई है और उपयोग में लाई गई है;
- (ग) विनिर्माताओं को प्रदान किए गए प्रोत्साहन का ब्यौरा क्या है और 31 दिसंबर, 2018 तक कितने इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों को लाभ पहुंचा है;
- (घ) क्या सरकार ने हाल ही में 'फेम इंडिया' योजना के द्वितीय चरण की शुरुआत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ङ) मल्टी मॉडल इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन की प्रायोगिक परियोजना के लिए चयनित शहरों का ब्यौरा क्या है; और
- (च) क्या सरकार ने वर्ष 2017-18 से अवसंरचना शुल्क और प्रौद्योगिक विकास परियोजना प्रायोगिक परियोजना को अनुमोदित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)**

(क) से (ग): राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (एनईएमएमपी) 2020 एक राष्ट्रीय दस्तावेज है जो देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और उनके विनिर्माण के लिए विजन तथा रोडमैप उपलब्ध कराता है। इस योजना को वैश्विक विनिर्माण नेतृत्व प्राप्त करने के लिए भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग को समर्थ बनाने तथा किफायती और पर्यावरणीय रूप से अनुकूल परिवहन प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय ईंधन सुरक्षा बढ़ाने हेतु डिजाइन किया गया है। एनईएमएमपी 2020 के तहत, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की 6-7 मिलियन बिक्री करने का महत्वकांक्षी लक्ष्य है।

एनईएमएमपी 2020 के भाग के रूप में, भारी उद्योग विभाग ने देश में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों (एक्सईवी) को बढ़ावा देने के लिए मार्च, 2015 में एक योजना नामतः भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम-इंडिया) योजना तैयार की। इस समय, फेम-इंडिया योजना का चरण-1 चल रहा है, जो दिनांक 31 मार्च, 2017 तक मूलतः दो वर्षों की अवधि के लिए था, जिसे दिनांक 31 मार्च, 2019 अथवा फेम-II की अधिसूचना, जो भी जल्दी हो, तक बढ़ा दिया गया है।

इस योजना के चार फोकस क्षेत्र नामतः मांग सृजन, प्रायोगिक परियोजना, प्रौद्योगिकी विकास/अनुसंधान एवं विकास और चार्जिंग अवसंरचना हैं।

इस योजना को नीचे दी गई अधिसूचनाओं के अनुसार समय-समय पर संशोधित किया गया है:

- अधिसूचना का. आ. 2696(ई) दिनांक 30.08.2015 के द्वारा, सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड दुपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए योजना को भारत में कहीं भी उनकी बिक्री हेतु लागू किया गया।
- अधिसूचना का. आ. 4175(ई) दिनांक 23.12.2016 के द्वारा बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) के लिए तिपहिया (श्रेणी एल5) हेतु योजना को आगे बढ़ाया गया।
- अधिसूचना का. आ. 2199(ई) दिनांक 04.07.2017 के द्वारा, इस योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन (अधिकतम गति 25 किमी/घंटा) को भी शामिल किया गया है।
- अधिसूचना का. आ. 2198(ई) दिनांक 12.07.2017 के द्वारा, रेट्रो फिटमेंट श्रेणी में एल5 श्रेणी को शामिल किया गया है।
- अधिसूचना का. आ. 3012(ई) दिनांक 12.09.2017 के द्वारा, योजना के तहत मांग प्रोत्साहन हेतु पूर्णतः इलेक्ट्रिक बस को भी शामिल किया गया है।
- अधिसूचना का. आ. 4994 (ई) दिनांक 27.09.2018 के द्वारा, उन्नत बैटरी वाहनों को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 01 अक्टूबर, 2018 से पारंपरिक बैटरी वाहनों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन लाभों को बंद कर दिया गया है।

फेम इंडिया योजना को कार्यान्वित करने हेतु बजटीय आबंटन और निधि के उपयोग के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं: -

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	बजटीय आबंटन	निधि का उपयोग
1.	2015-16	₹ 75 करोड़	₹ 75 करोड़ (लगभग)
2.	2016-17	₹ 144 करोड़	₹ 144 करोड़ (लगभग)
3.	2017-18	₹ 165 करोड़	₹ 165 करोड़ (लगभग)
4.	2018-19	₹ 145 करोड़ (संशोधित)	₹ 73.63 करोड़ (लगभग) 31 दिसम्बर, 2018 तक

बल दिए जाने वाले मांग सृजन क्षेत्र के तहत, इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों के क्रेता को एक्सईवी की खरीद के समय डीलर द्वारा खरीद मूल्य में निश्चित छूट दी जाती है। एक्सईवी की खरीददारी हेतु उपलब्ध मांग प्रोत्साहन के ब्यौरे समय-समय पर संशोधित योजना की राजपत्र अधिसूचना के अनुबंध 13 में दिए गए हैं, जो भारी उद्योग विभाग की वेबसाइट (www.dhi.nic.in) पर उपलब्ध हैं।

इस योजना के आरंभ होने और दिनांक 31 दिसम्बर, 2018 तक, सरकार ने लगभग 2,61,507 इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों की वित्तीय सहायता (मांग प्रोत्साहन) की है। उपर्युक्त के अलावा, इस योजना के अंतर्गत विभिन्न शहरों/राज्यों को 585 इलेक्ट्रिक बसें भी मंजूर की गई है।

(घ): जी, नहीं।

(ङ): मल्टी-मॉडल इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन की प्रायोगिक परियोजना हेतु वित्तपोषित किए जा रहे और चुने गए शहरों के ब्यौरे अनुबंध-1 पर हैं।

(च): जी, हां। फेम इंडिया योजना के चरण-1 के तहत स्वीकृत प्रौद्योगिकी विकास की परियोजना और चार्जिंग अवसंरचना की प्रायोगिक परियोजना की सूची अनुबंध-11 पर है।

मल्टी-मॉडल इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन की प्रायोगिक परियोजना हेतु वित्तपोषित किए जा रहे और चुने गए शहरों का ब्यौरा

क्र.सं.	शहर	आबंटित किए गए ई-वाहन		
		चौपहिया	तिपहिया	बसें
1	बेंगलुरु	100	500	80
2	जयपुर			40
3	मुंबई			80
4	लखनऊ			40
5	हैदराबाद			40
6	इंदौर	50	200	40
7	कोलकाता	200		80
8	जम्मू			40
9	गुवाहाटी			15
योग		350	700	455

फेम इंडिया योजना के तहत भारी उद्योग विभाग द्वारा अनुमोदित योजनाएं
(प्रायोगिक परियोजनाएं, चार्जिंग अवसंरचना और प्रौद्योगिकी विकास)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रचालन एजेंसी का नाम
1	बैंगलोर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सार्वजनिक फास्ट चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क	लीथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से मैसर्स महिंद्रा रेवा इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्रा. लि.
2	एआरएआई पुणे में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के परीक्षण के प्रमाणन के लिए परीक्षण अवसंरचना की स्थापना	ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई)
3	एआरएआई, पुणे में एक्सईवी चार्जिंग स्टेशनों के मसौदा मानकों को अंतिम रूप देने और विशिष्टियों हेतु प्रस्ताव	ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई)
4	चार्जिंग अवसंरचना प्रबंधन प्रणाली, आईआईटी मद्रास हेतु प्रस्ताव	आईआईटी, मद्रास
5	बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, एमएमआरडीए मुंबई के लिए 25 हाइब्रिड बसों का प्रस्ताव	मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए)
6	हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 25 इलेक्ट्रिक बसों के लिए प्रस्ताव	हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी)
7	एचपी सरकार द्वारा स्थानीय परिवहन के लिए 50 मैक्सी कैब का प्रस्ताव	हिमाचल शहर परिवहन और बस स्टैंड प्रबंधन एवं विकास प्राधिकरण (एचपीसीटी और बीएसएम और डीए)
8	एनसीआर में ईवी के लिए सौर आधारित चार्जिंग अवसंरचना स्थापित करने हेतु प्रस्ताव	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (आरईआईएल), जयपुर
9	उद्योग भवन के परिसर में ईवी के लिए सौर आधारित चार्जिंग अवसंरचना स्थापित करने हेतु प्रस्ताव	बीएचईएल
10	ईवी के लिए उन्नत जेन-IV लेड एसिड बैटरी और जेन-निकल-जिंग बैटरी हेतु तकनीकी विकास परियोजना	अलौह पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र (एनएफटीडीसी), हैदराबाद
11	अगरतला में भारतीय भूमिपत्तन प्राधिकरण के लिए दो इलेक्ट्रिक वाहनों (5-7 सीट वाला) हेतु प्रस्ताव	भारतीय भूमिपत्तन प्राधिकरण (एलपीएआई)
12	एएमयू में विद्युतीकृत परिवहन में उन्नत अनुसंधान केन्द्र (सीएआरईटी) के लिए प्रस्ताव	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू)
13	बैटरी इंजीनियरिंग केंद्र के लिए परियोजना	आईआईटी मद्रास

14	ऑटोमोटिव बैटरी और सुपर केपेसीटर के लिए उच्च दर और उच्च निष्पादन के लिए मोमबत्ती की कालिख और ग्रेफाइन से प्राप्त पदानुक्रमित नेनोस्ट्रक्चर कार्बन के लिए मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की इम्प्रिंट पहल के तहत प्राप्त प्रस्ताव	आईआईटी कानपुर
15	अक्षय ऊर्जा आधारित ईंधन सेल रेंज एक्सटेंडर के साथ लाइट वेट आरईईवी के ऑटोमोबाइल सेक्टर-विकास से संबंधित यूएई परियोजना के लिए वित्तीय सहायता	आईआईटी मद्रास
16	आरईआईएल, जयपुर द्वारा 200 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (आरईआईएल), जयपुर
17	एआरएआई द्वारा एसी-डीसी कंबाइंड पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों का डिजाइन और विकास	ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई)
18	ईवी बसों के लिए डीसी चार्जिंग हेतु प्रौद्योगिकी प्रायोगिक परियोजना	<u>प्रधान अन्वेषक</u> पनवा इंजीनियरिंग प्रा. लि., नासिक, महाराष्ट्र <u>सह-प्रधान अन्वेषक</u> के के वाघ इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एजुकेशन एंड रिसर्च, नासिक, महाराष्ट्र
19	आईसीटी समर्थित स्मार्ट चार्जिंग नेटवर्क घटकों का विकास और प्रोटोटाइपिंग	<u>प्रधान अन्वेषक</u> आईआईटी, दिल्ली <u>सह-प्रधान अन्वेषक</u> थापर विश्वविद्यालय, अमृता विश्व विद्यापीठम्, लिथियम अर्बन टेक्नालॉजिज, <u>उद्योग भागीदार</u> इलेक्सिस टेक्नालॉजिज प्रा. लि., एन्जी (जीडीएफ स्वेज एनर्जी), लिनकवेलटेलीसिस्टम, एक्सक्यूब टेक्नालॉजिज
20	एक्सईवी हेतु भारतीय अर्बन ड्राइविंग साइकल का विकास	<u>प्रधान अन्वेषक</u> आईआईटी, मद्रास [इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग/सिविल इंजीनियरिंग विभाग], आईआईएससी, बेंगलुरु, (सिविल इंजीनियरिंग विभाग) <u>उद्योग भागीदार</u> महिन्द्रा इलेक्ट्रिक: बॉस लिमिटेड, बेंगलुरु, राबर्ट बॉस इंजीनियरिंग एंड बिजनेस साल्यूसंस प्रा. लि., कोयम्बटूर

21	ई-दुपहिया और ई-तिपहिया इलेक्ट्रिक ड्राइव के लिए हब और स्पोक कंसोर्टियम	<p><u>प्रधान अन्वेषक</u> टीवीएस-लुकास लिमिटेड; एनएफटीडीसी, हैदराबाद संस्थाएं आईआईटी, गुवाहाटी; आईआईटी, जोधपुर; आईआईटी, बीबीएसआर; वीआईटी, चेन्नई; एनआईटीटीईई, सुरथकल</p> <p><u>उद्योग भागीदार</u> लुकास टीवीएस, चेन्नई; एम्पेयर व्हीकल्स, कोयम्बटूर; इलेक्ट्रोथर्म, लोहिया ऑटो इंडस्ट्रीज</p>
22	दुपहिया और तिपहिया के लिए स्विच रिलेक्टेंस ट्रेक्शन मोटर और कंट्रोलर	<p><u>प्रधान अन्वेषक</u> आदित्य ऑटो प्रोडक्ट्स एंड इंजी. (आई) प्रा. लिमिटेड एनआईटीके, सुरथकल</p> <p><u>उद्योग भागीदार</u> हीरो इको; एम्पीयर वाहन प्रा. लिमिटेड</p>
23	भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोगों के लिए सिक्रोनियस रिलेक्टेंस मोटर ड्राइव	<p><u>प्रधान अन्वेषक</u> आईआईटी मद्रास</p> <p><u>उद्योग भागीदार</u> महिंद्रा रेवा इलेक्ट्रिक वाहन लिमिटेड, बेंगलुरु</p>
24	30 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद	नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट (एनएमएमटी)
25	सौर ग्रिड हाइब्रिड और ग्रिड संचालित चार्जिंग स्टेशनों (200 चार्जर्स) का प्रस्ताव	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (आरईआईएल), जयपुर
26	ईवी के लिए परीक्षण सुविधा अवसंरचना और नेट्रिप से इलेक्ट्रिक व्हीकल सप्लाय इक्विपमेंट (ईवीएसई) के लिए निष्पादन परीक्षण/प्रमाणन हेतु अनुदान सहायता का प्रस्ताव	नेशनल ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना परियोजना (नेट्रिप)
27	270 सौर आधारित ईवी चार्जर्स की स्थापना	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल)